1 सिय्योन के सफर में मेरे मन व्याकुल न होना कभी अब्राहाम का प्रभु इसहाक का प्रभु   
याकूब का प्रभु मेरे साथ है सदा (२)

2 अब किसी बात की मुझे कोई चिन्ता डर नहीं  
जीवन की रोटी देके, वो चलाता कुशल से मुझे

3 दुनिया की नज़रों में मैं भले मुर्ख ही जाना जाऊं  
की नजरों में मैं सर्वश्रेष्ठ ही गिना जाऊँ

4 किसी मनुष्य पर आश्रय नहीं अब मेरा निश्चय यही  
मेरा आसरा केवल यीशु ही वो सनातन शरण मेरी